ग्रामीण विकास युवा संस्थान,
दौसा (राज.)
वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन वर्ष 2013–2014

1. **एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन परियोजना :–**

(क) **एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन परियोजना (IWRM-I)** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा द्वारा युरोपियन संघ की सहायता से राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के तत्वाधान में संचालित एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन परियोजना (प्रथम फेज) अन्तर्गत राजस्थान प्रदेश के झुन्झुनू जिले की पंचायत समिति नवलगढ़ एवं सुरजगढ़ की समस्त 72 ग्राम पंचायतों में दिनांक 23 सितम्बर 2011 से IWRM परियोजना लगातार चल रही है। और जोधपुर जिले की पंचायत समिति बाप की समस्त 32 ग्राम पंचायतों में दिनांक 11 दिसम्बर 2011 से IWRM परियोजना लगातार चल रही है। IWRM परियोजना अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर 25 चयनित व्यक्तियों की ग्राम जल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति का गठन कर उक्त कमेटी का ग्राम सभा से नियमानुसार अनुमोदन कराया गया। उसके बाद प्रत्येक कमेटी के सभी सदस्यों को ग्राम पंचायत स्तर पर तीन–तीन दिवसीय प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षण में संस्थान के मास्टर ट्रेनरों एवं सन्दर्भ वक्ताओं द्वारा ने IWRM परियोजना के बारें में जानकारी प्रदान कर परियोजना के उद्धेश्यों से अवगत कराया गया। उसके उपरान्त प्रत्येक कमेटी द्वारा सम्बन्धित ग्राम पंचायतों का पीआरए किया गया। और पीआरए के माध्यम से ग्राम पंचायत की पानी की वर्तमान स्थिति का पता लगाकर ग्राम पंचायत में पानी से सम्बन्धित समस्त संसाधनों को चिन्हित किया गया। उसके बाद कमेटी के समस्त सदस्यों की आम सहमति से ग्राम पंचायत का IWRM प्लान तैयार किया गया। IWRM प्लान में ग्राम पंचायतों के समस्त डाटा एकीकृत कर ग्राम पंचायत में पानी की वर्तमान आवश्यकता एवं उपलब्धता को जॉच कर IWRM प्लान बनाया गया। जिसका ग्राम सभा से अनुमोदन कराने के उपरान्त जिला स्तरीय IWRM कमेटी से अनुमोदन कराया गया। और उसके बाद अनुमोदित IWRM प्लानों की क्रियान्विति हेतु ग्राम पंचायतों को भेज दिये गये। जिसकी फाईनल रिपोर्ट भी नोडल अधिकारी से प्रमाणित कराकर राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर को भिजवा दी गई है। फाईनल रिपोर्ट विभाग द्वारा अनुमोदित हो चुकी है।

(ख) **एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन परियोजना (IWRM-II)** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा द्वारा युरोपियन संघ की सहायता से राज्य जल संसाधन आयोजना विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के तत्वाधान में संचालित एकीकृत जल संसाधन प्रबन्धन परियोजना (प्रथम फेज) अन्तर्गत राजस्थान प्रदेश के जोधपुर जिले की समस्त 10 पंचायत समितियों की समस्त 339 ग्राम पंचायतों में दिनांक 09 जनवरी 2014 से IWRM परियोजना चालू की गई है। IWRM परियोजना अन्तर्गत जिला एवं ब्लॉक स्तर पर जल संसाधन केन्द्रो का स्थापना कर दी गई है। IWRM परियोजना अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर 25 चयनित व्यक्तियों की ग्राम जल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों की नियमित मासिक बैठको का आयोजन किया जा रहा है। बैठकों में ग्राम पंचायत की पानी से सम्बन्धित समस्त समस्याओं का निवारण किया जा रहा हे। IWRM परियोजना अन्तर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर 25 चयनित व्यक्तियों की ग्राम जल स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समितियों के सभी सदस्यों को ग्राम पंचायत स्तर पर एक–एक दिवसीय प्रशिक्षण कराया जा रहा है। तथा जिला एवं ब्लॉक स्तर पर एक–एक दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन भी करा दिया गया है। की प्रशिक्षण में संस्थान के मास्टर ट्रेनरों एवं संन्दर्भ वक्ताओं द्वारा ने IWRM परियोजना के बारें में जानकारी प्रदान कर परियोजना की गतिविधियो के बारे में अवगत कराया जा रहा है। और उसके वाद अनुमोदित IWRM प्लानों की क्रियान्विति ग्राम पंचायतों के माध्यम से कराई जा रही है।

2. **कृषि प्रौधोगिकी प्रबन्धन परियोजना (आत्मा)** :–

(क) **कृषको का दो– दो दिवसीय प्रशिक्षण** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा कार्यालय परियोजना निदेशक आत्मा, कृषि विभाग दौसा के तत्वाधान में ग्राम उदावाला में दिनांक 20 फरवरी 2014 से 21 फरवरी 2014 तक ग्राम रामसिंहपुरा में दिनांक 22 फरवरी 2014 से 23 फरवरी 2014 तक कुल 60 महिला कृषकों को रासायनिक विधि से खरपतवार नियन्त्रण प्रबन्धन पर दो–दो दिवसीय प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में किसानों को आधुनिक यन्त्रों से खेती करने की जानकारी प्रदान की गई।

(ख) **कृषि/उधान समुह निर्माण एवं प्रशिक्षण :–** ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा कार्यालय परियोजना निदेशक आत्मा एवं कृषि विस्तार विभाग दौसा के तत्वाधान में ग्राम बोरोदा में दिनांक 24 फरवरी 2014 से 25 फरवरी 2014 तक एवं ग्राम बापी में दिनांक 26 फरवरी 2014 से 27 फरवरी 2014 तक तथा ग्राम खरताला में दिनांक 26 फरवरी 2014 से 27 फरवरी 2014 तक और ग्राम काबलेश्वर में दिनांक 28 फरवरी 2014 से 01 मार्च 2014 तक, ग्राम बडागॉव में दिनांक 28 फरवरी 2014 से 01 मार्च 2014 तक, ग्राम छारेडा में दिनांक 02 मार्च 2014 से 03 मार्च 2014 तक, ग्राम आलुदा में दिनांक 02 मार्च 2014 से 03 मार्च 2014 तक, ग्राम हापावास में दिनांक 04 मार्च 2014 से 05 मार्च 2014 तक, ग्राम बिशनपुरा में दिनांक 04 मार्च 2014 से 05 मार्च 2014 तक,आयोजित किये गये। जिसमें कुल 10 ग्राम पंचायतों में 10 कृषक समुहों का निर्माण किया गया। और कुल 114 कृषको ने कृषि/उधान की आधुनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। प्रशिक्षण में किसानों को कृषि विकास में समुहों की भागीदारी के सम्बन्ध में विषय विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

3. **राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2013–14 :–**

(क) **जागरूकता कार्यक्रम :–** दिनांक 10 फरवरी 2014 को एक दिवसीय कार्यशाला भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के सहयोग से कट्स जयपुर के तत्वाधान में ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2013–14 के अन्तर्गत दिनांक 10 फरवरी 2014 को जागरूकता कार्यक्रम अन्तर्गत जैव विविधता संरक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला का उदघाट्न राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विधालय सैथल जिला दौसा में प्रातः काल 11.00 बजे मुख्य अतिथि श्रीमति माया महावर पुर्व सरपंच ग्राम पंचायत सैथल एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद मीणा परियोजना समन्वयक ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा ने मॉ सरस्वती के दीप जलाकर किया गया। कार्यक्रम में कुल 50 महिलाओं ने भाग लिया। संस्थान के ब्लॉक समन्वयक श्री जयराम सैनी ने अथितियों का परिचय कराकर उनका स्वागत कराया और जैव विविधता संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमति माया महावर ने अपने भाषण में बताया कि पेड़ पौधों की कमी होती जा रही है और प्रदूषण दिनों दिन बढ़ रहा है मानव अपने स्वार्थो के कारण पेड़ो को काट रहा है जिससे वर्षो की कमी दिनों दिन बढती जा रही है ऐसी स्थिति में पर्यावरण का सन्तुलन बिगड़ गया है जिससे मौसम बेमौसम हो गया है और धीरे धीरे जलवायु

परिवर्तन हो रहा है जिससे प्रकृति का संन्तुलन बिगड़ गया है इस लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने चाहिए और वर्षा जल एवं पीने के पानी का संरक्षण करना चाहिए। जैव विविधता संरक्षण के लिए जन भागीदारी का सहयोग होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री जगदीश प्रसाद मीणा परियोजना समन्वयक ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा ने अपने भाषण में बताया कि जैव विविधता संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में संस्थान की कार्यकर्ता रीना अग्रवाल, श्री रमेश चन्द मीणा, ने भी जैव विविधता संरक्षण पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन संस्थान की कार्यकर्ता रीना अग्रवाल ने किया।

(ख) **एक्शन कम्पोनेट :–** दिनांक 11 फरवरी 2014 को एक दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम भारत सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के सहयोग से कट्स जयपुर के तत्वाधान में ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियाान 2013–14 के अन्तर्गत दिनांक 11 फरवरी 2014 को एक्शन कम्पोनेट कार्यक्रम अन्तर्गत जैव विविधता संरक्षण पर एक दिवसीय वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ खेल मैदान राजकीय माध्यमिक विधालय चौरडी जिला दौसा में प्रातः काल 11.00 बजे मुख्य अतिथि श्री कल्याण सहाय गुर्जर पुर्व सरपंच ग्राम पंचायत काबलेश्वर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री कैलाश चन्द शर्मा प्रधानाचार्य राजकीय माध्यमिक विधालय चौरडी ने विधालय खेल मैदान में एक–एक छायादार पौधे लगाकर किया। कार्यक्रम में विधालय के छात्र छात्राओं ने कुल 200 पौधे छायादार लगाये। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री कल्याण सहाय गुर्जर ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुऐ बताया कि जैव विविधता संरक्षण नही किया तो धीरे धीरे विनाश की स्थिति उत्तपन्न हो जायेगी। इसलिए आमजन को जैव विविधता संरक्षण पर ध्यान देना होगा। कार्यक्रम में अध्यापक श्री सुखलाल मीना ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुऐ बताया कि सरकार जैव विविधता संरक्षण के सम्बन्ध में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित कर लोगो को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के प्रयास किये जा रहे है। आज का यह कार्यक्रम भी इसी दिशा में एक प्रयास है। कार्यक्रम में संस्थान के कोषाध्यक्ष श्री रमेश चन्द मीणा ने राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान 2013–14 अन्तर्गत जैव विविधता संरक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की।

4. **स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा का चयन जयपुर जिले की जमवारामगढ पंचायत समिति की 43 ग्राम पंचायतों में बी.पी.एल. परिवारों के स्वयं सहायता समूह बनाकर उनको स्वजरोजगार के जरिये आत्म निर्भर बनाने हेतु 26 नवम्बर, 2009 को कार्य प्रारम्भ किया गया। संस्थान द्वारा वर्ष 2013–14 अन्तर्गत कुल 14 स्वयं सहायता समुह बनाकर 153 बी.पी.एल. परिवारों को लाभान्वित किया गया। स्वयं सहायता समूहो की मासिक बैठकों का आयोजन, बचत राशि, लेखा संधारण, बैक लिंकेज, नियमित किया जा रहा है। गतिविधिं का चयन कर कौशल विकास प्रशिक्षण कराया जा रहा है। जिसमें से 14 स्वयं सहायता समुहो की प्रथम एवं द्वितीय ग्रेड़िग कराकर समुहों को बैंको से भैस पालन एवं गलीचा उधोग, नगीना कटींग, टेलरिंग कटिग एवं बुनाई, आरीतारी (जरी कढाई), बर्तन उधोग, गतिविधियों के लिए ऋण दिलाकर व्यवसाय शुरू करा दिया गया।

5. **सम्पुर्ण स्वच्छता कार्यक्रम :– जागरूकता एवं शौचालय निर्माण कार्यक्रम** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा जिला परिषद दौसा के तत्वाधान में पंचायत समिति सिकराय की 10 ग्राम पंचायत सिकन्दरा, फर्राशपुरा, दुब्बी, कैलाई, राणोली, लांका, जयसिंहपुरा, गांगदवाडी, गण्डरावा, बहरावण्डा, में सम्पुर्ण स्वच्छता कार्यक्रम अन्तर्गत वित्तिय वर्ष 2013–14 में कुल 135 बी.पी.एल. परिवारों के शौचालयों का निर्माण कराया गया। कार्यक्रम अन्तर्गत उक्त सभी ग्राम पंचायतों में नारे–लेखन एवं वॉल पेंटिग कराकर स्वच्छता की जानकारी प्रदान की गई। तथा कार्यक्षेत्र के सभी सरपंचों, पंचों, ऑगनबाडी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनियों, ए.एन.एम. इत्यादि को प्रशिक्षण देकर स्वच्छता की जानकारी दी गई। कार्यक्रम अन्तर्गत कटपुतली कार्यक्रमों एवं नुक्कड नाटकों के माध्यम से भी स्वच्छता का संदेश दिया गया। एवं रैली एवं ग्राम सभाओं के माध्यम से भी स्वच्छता की जानकारी आमजन तक पहुचाने के लिए संस्थान कार्यरत है।

6. **स्वावलम्बन परियोजना :– ब्युटी पार्लर का प्रशिक्षण** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग जयपुर के सहयोग से स्वावलम्बन योजना अन्तर्गत 30 गरीब, विधवा, तलाकशुदा, परित्यागिता, महिलाओं को ज्वैलरी मेकिग एवं डिजाईनिंग व्यवसाय के माध्यम से रोजगार देने के लिए त्रैमासिक ज्वैलरी मैंकिग एवं डिजाईनिंग कौशल विकास प्रशिक्षण जोधपुर जिले की पंचायत समिति बाप के ग्राम बाप में दिनांक 21 फरवरी 2013 से 20 अप्रैल 2014 तक सम्पन्न कराया गया। जिसमें 30 गरीब, विधवा, तलाक शुदा, परित्यागिता, महिलाऐ प्रतिदिन भाग लेकर ज्वैलरी मेंकिग एवं डिजाईनिग

का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। प्रशिक्षण के उपरान्त उक्त महिलाओं को स्वय सहायता समुहों के जरीये बैकों के माध्यम से ऋण दिलवाकर स्वरोजगार से जोड़ा गया। प्रशिक्षण के उपरान्त सभी महिलाओं ने अपने–अपने घरों पर ज्वैलरी तैयार कर बाजार में निर्यात कर प्रति माह तीन से चार हजार रूपये आमदनी कर रही है।

7. जल, जंगल, जमीन संरक्षण कार्यक्रम :–

चरागाह विकास कार्यक्रम :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा जल, जंगल, जमीन संरक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत समिति दौसा के ग्राम धर्मपुरा में 06 अगस्त 2013 को ग्रामीणों के सहयोग से 25 हैक्टीयर चरागाह में चारा उत्पादन करने के लिए घास की बोई गई। और 2000 छायादार पौधे लगाये गये। इनकी पौधो की सुरक्षा हेतु वन सुरक्षा समिति का गठन किया गया। और घास एवं पेडों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्राम वन सुरक्षा समिति धर्मपुरा को सौपी गई।

8. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रम :–

स्वैच्छिक रक्तदान प्रोत्साहित कार्यक्रम :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा द्वारा कार्यालय चिकित्सा अधिकारी राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सैंथल के तत्वाधान में ग्राम सैंथल में 05 नवम्बर 2013 को स्वैच्छिक रक्तदान प्रोत्साहित कार्यक्रम अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 56 युवाओं ने भाग लिया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान के बारे में युवाओं को जानकारी देकर स्वैच्छिकरक्तदान करने के लिए युवाओं को प्रेरित किया गया। उसके बाद कार्यशाला में उपस्थित सभी युवाओं द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान करने हेतु संस्थान को आवेदन दिया गया।

9. महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम :–

घरेलू हिन्सा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान दौसा द्वारा राजस्थान सरकार के महिला अधिकारिता विभाग के सहयोग से दौसा जिले में घरेलू हिन्सा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005 के अन्तर्गत पीडित महिलाओं को कानूनी जानकारी एवं सहायता प्रदान करने के लिये ग्राम सैथल एवं दौसा जिला मुख्यालय पर एक–एक महिला परामर्श केन्द्र दिनांक 1 अप्रैल 2009 से प्रारम्भ किया गया। जिसमें एक–एक

महिला परामर्शदाता केन्द्रों के संचालन हेतु रखी गयी है। जो पीडित महिलाओं को कानूनी जानकारी के साथ आवश्यक सहायता प्रदान करती है। जिसमें कानूनी विशेषज्ञों द्वारा महिलाओं को घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005 के अन्तर्गत महिलाओं के अधिकारों की जानकारी के साथ पुलिस एवं कोर्ट के जरिये अपने अधिकारों को सुरक्षित रखने की विभिन्न कानूनी सलाह दी जाती है ।

10. **राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा द्वारा राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद दौसा के सहयोग से 1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक प्लसमेंन्ट ऐजेन्सी के माध्यम से कम्प्युटर ऑपरेटर एवं बहुउद्धेशीय कार्यकर्ता के रूप में 15 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया ।

11. **नई रोशनी परियोजना वर्ष 2013–14** :– ग्रामीण विकास युवा संस्थान, दौसा द्वारा भारत सरकार के अल्पसंख्यक मामलात् मन्त्रालय के सहयोग से दौसा जिले की 125 अल्पसंख्यक महिलाओं को छः–छः दिवसीय नेतृत्व विकास का प्रशिक्षण दिनांक 11 मार्च 2013 से 28 मार्च 2013 तक दिया गया। उक्त प्रशिक्षण के माध्यम से अल्पसंख्यक महिलाओं में नेतृत्व विकास के साथ स्वरोजगार हेतु दक्षता विकास का प्रशिक्षण भी दिया गया। महिलाओं को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के बारे में भी बताया गया। प्रशिक्षण के उपरान्त महिलाओं को आय सर्जन गतिविधियों से जोड़ कर स्वरोजगार उपलब्ध कराया गया।

उपरोक्त कार्यक्रमों पर आधारित आपका संस्थान प्रयासरत है। संस्थान द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली योजनाओं में आपका सहयोग, सुझाव, मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं आर्थिक सहयोग अपेक्षित है।

भवदीय

(पी. एन. मीना)
सचिव